षोडश माला, खंड 11, अंक 6 **मंगलवार, 28 जुलाई, 2015**
6 श्रावण, 1937 (शक)

लोक सभा वाद-विवाद

(हिन्दी संस्करण)

पांचवां सत्र
(सोलहवीं लोक सभा)

(खंड 6 में अंक 1 से 10 तक हैं)

लोक सभा सचिवालय
नई दिल्ली

28.07.2015

सम्पादक मंडल

उत्पल कुमार सिंह
महासचिव
लोक सभा

ममता केमवाल
संयुक्त सचिव

अमर सिंह
निदेशक

बसन्त प्रसाद
संयुक्त निदेशक

© 2015 प्रतिलिप्यधिकार लोक सभा सचिवालय

लोक सभा सचिवालय की पूर्व स्वीकृति के बिना किसी भी सामग्री की न तो नकल की जाए और न ही पुन: प्रतिलिपि तैयार की जाए, साथ ही उसका वितरण, पुन: प्रकाशन, डाउनलोड, प्रदर्शन तथा किसी अन्य कार्य के लिए इस्तेमाल अथवा किसी अन्य रूप या साधन द्वारा प्रेषण न किया जाए, यह प्रतिबंध केवल इलेक्ट्रॉनिक, मैकेनिकल, फोटोप्रति, रिकॉर्डिंग आदि तक ही सीमित नहीं है। तथापि, इस सामग्री का केवल निजी, गैर-वाणिज्यिक प्रयोग हेतु प्रदर्शन, नकल और वितरण किया जा सकता है बशर्ते कि सामग्री में किसी प्रकार का परिवर्तन न किया जाए और सभी प्रतिलिप्यधिकार (कॉपीराइट) तथा सामग्री में अंतर्विष्ट अन्य स्वामित्व संबंधी सूचनाएं सुरक्षित रहें।

लोक सभा वाद-विवाद के हिन्दी संस्करण का अनुवाद कृत्रिम मेधा (Artificial Intelligence) आधारित सॉफ्टवेयर एप्पलीकेशन की सहायता से किया गया है और सटीक अनुवाद उपलब्ध कराने के लिए यथोचित प्रयास किए गए हैं। तथापि, हिन्दी संस्करण में सम्मिलित मूल हिन्दी कार्यवाही ही प्रामाणिक मानी जाएगी। इसमें सम्मिलित मूलत: अंग्रेजी और अन्य भाषाओं में दिए गए भाषणों का हिन्दी अनुवाद प्रामाणिक नहीं माना जाएगा। पूर्ण प्रामाणिक संस्करण के लिए कृपया लोक सभा वाद-विवाद का मूल संस्करण देखें।

28.07.2015

विषय-सूची

षोडश माला, खंड 11, पांचवां सत्र, 2015 / 1937 (शक)
अंक 6, मंगलवार, 28 जुलाई, 2015 / 6 श्रावण, 1937 (शक)

विषय	पृष्ठ संख्या
निधन संबंधी उल्लेख	7-9
प्रश्नों के लिखित उत्तर	
[1]तारांकित प्रश्न संख्या 101 से 121	
अतारांकित प्रश्न संख्या 1151 से 1331,	
[2]1333 से 1380	

[1] **प्रश्नों और उनके उत्तरों के लिए ग्रंथालय में रखी गई वाद-विवाद के हिन्दी संस्करण की मास्टर-प्रति का संदर्भ लें। प्रश्नों और उनके उत्तरों के संबंध में अधिक जानकारी हेतु आप इस लिंक पर जाएं।** https://sansad.in/ls/hi/questions/questions-and-answers
इस लिंक के खुलने के बाद लोक सभा का चयन करें, फिर सत्र का चयन करें तत्पश्चात् फिल्टर में जाकर वाद-विवाद की तारीख का चयन करें।

[2] डॉ. थोकचोम मेन्या, संसद सदस्य द्वारा पूछे गए अतारांकित प्रश्न संख्या. 1332 का 27.07.2015 को जारी की गई प्रश्न सूची के शुद्धि पत्र द्वारा लोप कर दिया गया था।

28.07.2015

लोक सभा के पदाधिकारी

अध्यक्ष

श्रीमती सुमित्रा महाजन

उपाध्यक्ष

डॉ. एम. तंबिदुरै

सभापति तालिका

श्री अर्जुन चरण सेठी

श्री हुक्मदेव नारायण यदव

श्री आनंदराव अडसुल

श्री प्रहलाद जोशी

डॉ. रत्ना डे (नाग)

श्री रमेन डेका

श्री कोनाकल्ला नारायण राव

श्री हुकुम सिंह

श्री के.एच. मुनियप्पा

डॉ. पी. वेणुगोपाल

महासचिव

श्री अनूप मिश्र

28.07.2015

लोक सभा वाद-विवाद

लोक सभा

मंगलवार, 28 जुलाई, 2015 / 6 श्रावण, 1937 (शक)

लोक सभा पूर्वाह्न ग्यारह बजे समवेत हुई।

[**माननीय अध्यक्ष** *पीठासीन हुई*]

28.07.2015

[अनुवाद]

निधन संबंधी उल्लेख

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, आज मैं अत्यंत दुःख के साथ भारत रत्न भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम को श्रद्धांजलि देती हूं। वे वास्तव में भारत के सच्चे रत्न थे। डॉ. कलाम का निधन 83 वर्ष की आयु में 27 जुलाई, 2015 को शिलांग में हृदयाघात के कारण हुआ। वे अपनी आखिरी सांस तक भारत के युवाओं में वैज्ञानिक सोच और उनमें जिज्ञासा की भावना को जागृत करने के साथ-साथ उनसे निरंतर संवाद स्थापित करने का कार्य करते रहे जो उन्हें सर्वाधिक पसन्द था।

डॉ. अब्दुल कलाम हमारे देश के अद्भुत व्यक्तित्वों में से एक थे, जो उत्कृष्ट प्रतिभा, असीम वैज्ञानिक उत्साह और इससे भी बढ़कर स्नेह और दया की भावना से भरे एक महान व्यक्ति थे।

उनका जन्म 15 अक्बतूर, 1931 को तमिलनाडु के रामेश्वरम में एक गरीब परिवार में हुआ। अपने कठोर परिश्रम, दृढ़ निश्चय और शिक्षा से वे भारत के अंतरिक्ष और मिसाइल कार्यक्रम के मुख्य प्रेरणास्त्रोत बने और अंततः वे देश के सर्वोच्च पद पर आसीन हुए।

डॉ. ए.पी.जे. अबदुल कलाम ने वर्ष 2002 से 2007 तक भारत के 11वें राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया। वैज्ञानिक सोच रखने वाले और एक असाधारण दूरदृष्टि वाले व्यक्ति के रूप में उन्होंने मुख्य रूप से रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डी.आर.डी.ओ.) और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) में वैज्ञानिक और वैज्ञानिक प्रशासक के रूप में चार दशकों तक उत्साहपूर्वक कार्य किया और वे भारत के असैन्य अंतरिक्ष कार्यक्रम और सैन्य मिसाइल विकास प्रयासों से अभिन्न रूप से जुड़े रहे। इस प्रकार वे बैलिस्टिक मिसाइल और प्रक्षेपण यान प्रौद्योगिकी के विकास संबंधी अपने कार्य के लिए "भारत के मिसाइलमैन" के नाम से प्रख्यात

हुए। उन्होंने वर्ष 1974 में भारत द्वारा किए गए पहले परमाणु परीक्षण के पश्चात् वर्ष 1998 में किए गए भारत के "पोखरण-II" परमाणु परीक्षण में मुख्य संगठनात्मक, तकनीकी और राजनीतिक भूमिका भी निभाई।

उन्हें भारत के वैज्ञानिक अनुसंधान और रक्षा प्रौद्योगिकी के आधुनिकीकरण के क्षेत्र में उनके अत्यधिक और अमूल्य योगदान के लिए वर्ष 1997 में भारत रत्न, इसरो और डीआरडीओ में अपने कार्य और सरकार के वैज्ञानिक सलाहकार के रूप में अपनी भूमिका के लिए वर्ष 1981 में पद्म भूषण और 1990 में पद्म विभूषण सहित अनेक प्रतिष्ठित पुरस्कार मिले हैं। डॉ. अब्दुल कलाम के 79वें जन्मदिन को संयुक्त राष्ट्र द्वारा विश्व विद्यार्थी दिवस के रूप में मान्यता दी गई है। उन्हें 40 विश्वविद्यालयों से मानद डॉक्टरेट की उपाधियां भी प्राप्त हुई हैं। वर्ष 2005 में, स्विट्जरलैंड ने अपने देश में कलाम की यात्रा के स्मरण में 26 मई को विज्ञान दिवस घोषित किया। वर्ष 2013 में, उन्होंने "अंतरिक्ष संबंधी परियोजना हेतु प्रबंधन और नेतृत्व में उत्कृष्टता की पहचान करने के लिए" राष्ट्रीय अंतरिक्ष सोसायटी से "वॉन ब्रौन" पुरस्कार प्राप्त किया।

असाधारण प्रतिभा के धनी डॉ. कलाम ने एक प्रतिभाशाली विद्वान के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान बनायी। उन्होंने "इंडिया 2020: ए विज़न फॉर न्यू मिलेनियम"; "विंग्स ऑफ फायर: एन ऑटोबायोग्राफी"; "इग्नाइटेड माइंड्स: अनलिशिंग द पॉवर विदिन इंडिया" जैसी कई अन्य पुस्तकें लिखीं।

डॉ. अब्दुल कलाम ने उच्च संवैधानिक मूल्यों और आदर्शों के प्रति अपनी अत्यधिक प्रतिबद्धता से भारत के राष्ट्रपति के महान पद की प्रतिष्ठा और गरिमा बढ़ाई, जिससे हमारे लोकतांत्रिक ढांचे में अत्यधिक मजबूती आई।

भारत के राष्ट्रपति के रूप में अपना कार्यकाल पूरा करने के बाद, डॉ. अब्दुल कलाम ने शिक्षा, लेखन और जन सेवा के नागरिक जीवन में पुनः पदार्पण किया। वे भारतीय प्रबंध संस्थान,

शिलांग, अहमदाबाद और इंदौर जैसे प्रतिष्ठित अकादमिक संस्थानों के विजिटिंग प्रोफेसर, भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलुरु के मानद फेलो, भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, तिरुवनंतपुरम के कुलपति के पद को सुशोभित किया।

डॉ. कलाम की मृत्यु से, देश ने एक विवेकशील राजनेता, एक महान वैज्ञानिक और वंचितों के मित्र और एक श्रेष्ठ व्यक्ति को खो दिया है, जो एक प्रगतिशील, तार्किक और समतामूलक समाज के निर्माण के लिए जीवनभर प्रयासरत रहा । वे देश के युवाओं और बच्चों के लिए एक आदर्श प्रेरणा प्रदान करने वाले और उत्साहवर्धन करने वाले व्यक्ति थे। वे 83 वर्ष के ऐसे महान व्यक्ति थे जिनकी ऊर्जा और उत्साह 38 वर्ष के व्यक्ति जैसी थी तथा उनकी निश्छल मुस्कान आठ वर्ष के बच्चे जैसी थी। उनके निधन से निःसंदेह एक शून्य उत्पन्न हुआ है, किंतु उनका जीवन सभी के लिए प्रेरणास्रोत बना रहेगा। उन्होंने हमारे देश के मानसपटल पर अमिट छाप छोड़ी है।

अब सभा दिवंगत आत्मा के सम्मान में थोड़ी देर मौन खड़ी रहेगी ।

पूर्वाह्न 11.06 बजे

तत्पश्चात् सदस्यगण थोड़ी देर मौन खड़े रहे।

28.07.2015

माननीय अध्यक्ष: दिवंगत आत्मा के सम्मान में, आज सभा की कार्यवाही स्थगित की जाती है ताकि माननीय सदस्यगण कल, 29 जुलाई, 2015 को रामेश्वरम में उनके अंतिम संस्कार में सम्मिलित हो सकें, अब सभा 30 जुलाई, 2015 को 1100 बजे पुनः समवेत होने के लिए स्थगित होती है।

पूर्वाह्न 11.08 बजे

तत्पश्चात् लोक सभा गुरुवार, 30 जुलाई, 2015 / 8 श्रावण, 1937 (शक) के पूर्वाह्न ग्यारह बजे तक के लिए स्थगित हुई।

इंटरनेट

लोक सभा की सत्रावधि के प्रत्येक दिन के वाद-विवाद का मूल संस्करण, अंग्रेजी संस्करण और हिन्दी संस्करण भारतीय संसद की निम्नलिखित वेबसाइट पर उपलब्ध हैं:

https://sansad.in/ls

लोक सभा की कार्यवाही का सीधा प्रसारण

लोक सभा की संपूर्ण कार्यवाही का संसद टी.वी. चैनल पर सीधा प्रसारण किया जाता है। यह प्रसारण सत्रावधि में प्रतिदिन प्रातः 11.00 बजे लोक सभा की कार्यवाही शुरू होने से लेकर उस दिन की कार्यवाही समाप्त होने तक होता है।

28.07.2015

© 2015 प्रतिलिप्यधिकार लोक सभा सचिवालय

लोक सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन संबंधी नियमों (सत्रहवां संस्करण) के नियम 379 और 382 के अन्तर्गत प्रकाशित